एएनसी, पाएनसी वार्ड में कोई वार्ड आया सुबह से नहीं आई। एएनसी 18, पीएनसी 30 और गायनी वार्ड 38 मरीज भर्ती हैं और 16 नबर में 25 मरीज। 17 की सिस्टर ने बताया कि सुबह से कोई नहीं आया।

शासन स्तर पर इस बात को प्रमुखता से उठाया जाए कि इनके बिना काम नहीं चलेगा।

उन्होंने प्राचार्य और एमएस को चिट्ठी लिखकर कहा कि यदि जल्द कर्मचारियों को वापस नहीं लिया जाता, तो हड़ताल पर जाकर उनके धरने में शामिल होंगे।

शर्मा, आकृता, हिमांशु, चमन, मिथिलेश बलूनी, सौरभ, मनीषा, अंश तोमर, राम शामिल रहे।

सकारात्मक सोच से ही होगा प्रदेश का विकास : राज्यपाल

संगोष्ठी

देहरादून, कार्यालय संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कहा कि सकारात्मक सोच, विचार और अवधारणा उत्तराखंड के विकास के लिए आवश्यक है। इसमें उन्होंने महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

दून विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में राज्यपाल गुरमीत सिंह को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होना था, लेकिन वे निजी कारणों से नहीं पहुंच पाए। हालांकि उन्होंने अपना एक संदेश जारी किया, जिसे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने पढ़कर सुनाया। संगोष्ठी इंडस्ट्रियल रोड मैप ऑफ उत्तराखंड विजन- 2025 पर केंद्रित थी। कुलपति प्रो. डंगवाल ने बताया कि दो दिवसीय संगोष्ठी में छह सत्र आयोजित होंगे, जिसमें गवर्नेंस क्षेत्र, विनिर्माण, मानव संसाधन विकास, पर्यावरण, जीवन शैली, पर्यटन को सेवा क्षेत्र से जोड़ने आदि पर शोधार्थी विचार रखेंगे। संगोष्ठी के मुख्य समन्वयक प्रोफेसर अविनाश चंद्र जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में अपार संभावनाएं हैं, लिहाजा यहां इंडस्ट्रियल रोड मैप डेवलप करना जरूरी है। इंडियन सोसायटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता चौहान ने विकास में प्रशिक्षण के महत्व पर चर्चा की। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के निदेशक एचआर रंजन मोहपात्रा ने उत्तराखंड की बायोडायवर्सिटी, इकोलॉजी और वातावरण पर विचार रखे। लवासना के पूर्व निदेशक डा. संजीव चोपड़ा ने एग्रीकल्चर, टूरिज्म, प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, कौशल विकास पर विशेष जोर देते हुए उत्तराखंड को एक विकसित राज्य बनाने के लिए विचार रखे। वीर माधो सिंह भंडारी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि उत्तराखंड शिक्षा के लिए जाना जाता है, यहां की माध्यमिक शिक्षा और दुनिया में अग्रणी रही है। अमेरिका से उत्तराखंड मूल के वैज्ञानिक और अमेरिकी उद्यमी डॉ. शैलेश उप्रेती ने कहा कि विवि को उद्यमिता विकास के क्षेत्र में आवश्यक पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण को शामिल करना चाहिए।

इस मौके पर प्रो. आरपी ममगाईं, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एचसी पुरोहित, प्रो. कुसुम अरुणाचलम, प्रो. हर्ष डोभाल, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. अरुण कुमार भी मौजूद रहे।

केदारपुरम में शुक्रवार को दून विवि के सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. ओमकार सिंह का स्वागत करतीं दून विवि की कुलपति सुरेखा डंगवाल। • हिन्दुस्तान

सीएम ने सीएचसी का मुआयना किया

गैरसैंण, संवाददाता। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता एवं मरीजों के लिए अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली।

बजट सत्र के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद शुक्रवार सुबह पौने दस बजे मुख्यमंत्री सामुदायिक केंद्र पहुंचे। उन्होंने भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने सीएम घोषणा के अंतर्गत निर्माणाधी 50 बेड के उप जिला चिकित्सालय के नए भवन के निर्माण कार्यों का मुआयना किया और विभागीय अफसरों में कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मरीजों को इलाज के लिए दून और हल्द्वानी की तरफ न आना पड़े, इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक भी तैनात किए जा रहे हैं। दून लौटने से पहले चौक पर उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात भी की।

इस दौरान कर्णप्रयाग के विधायक अनिल नौटियाल, थराली के भूपाल राम टम्टा, विकासनगर के मुन्ना सिंह चौहान, सचिव स्वास्थ्य डा. आर राजेश

निदेशालय महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, उत्तराखण्ड
राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई (उत्तराखण्ड महिला एवं बाल विकास समिति)
निकट नन्दा की चौकी, सुद्धोवाला, प्रेमनगर, देहरादून
पत्रांक: 557/204 / UWCDS/2022-23 दिनांक : 17 मार्च 2023
शुद्धिपत्र
मुख्यमंत्री महिला सतत् आजीविका योजना